॥ श्री महावीराय नमः ॥ ॥ श्री वीतरागाय नमः ॥ ॥ नमो नाणस्स ॥

श्री ग्रेटर बोम्बे वर्धमान स्थानकवासी जैन महासंघ

Shree Greater Bombay Vardhman Sthanakwashi Jain Mahasangh, Mumbai

संचालित :

मातुश्री मणिबेन मणशी लीमशी छाडवा धार्मिक शिक्षण बोर्ड

वार्षिक परीक्षा जैन शाळा / महिलामंडल / मित्रमंडळ / युवा ग्रुप नुं पेपर

दिनांक : 07-08-2016 • समय : दोपहर 2.00 से 5.00 • गुण : श्रेणी : 3 • गुण : 100

(Dharmik Shikshan Board Certificate Course Level : 3)

प्रश्न - १ : (क) नीचेना पाठनी पूर्ति करो : (कोई पण १२) २५

१) अभय दयाणं .....बोहिदयाणं
२) उच्चारेसु वा .....पित्तेसु वा
३) ईणमेव..... केवलियं
४) अन्नत्थ ..... जंभाइएणं
५) अबंभना पच्चक्खाण .....पज्जुवासामि
६) संका ..... संथवो
७) मुखवास विहिं .....दव्वविहिं
८) अप्पडिलेहणाअे .....वईक्कमे
९) दर्भादिक संथाशे संथरी ने ..... सिरसावत्तं
१०) तुब्भेहिं .....ठाएमिं
११) जाणी-प्रीछी ..... आकुट्टि
१२) कुइए..... ससरक्खामोसे
१३) अभिनिवेशिक मिथ्यात्व ..... कुप्रावचन मिथ्यात्व
१४) उस्सुत्तो ..... दुव्विचिंत्तिओ

(ख) नीचेना शब्दोना गुजराती अर्थ लखो : (कोई पण १२) १२

१) उद्दविया
२) खेतवृट्टि
३) सुट्ठु दिन्नं
४) चिन्तवनार्थ
५) अभग्गो
६) रहसाभक्खणे
७) सिव
८) विहस्स
९) पसीयंतु
१०) विरुद्ध रज्जाइक्कमे
११) पोसहस्स सम्मं अणणुपालणया
१२) सव्व कालियाअे
१३) कुवियप्पमाणइक्कमे
१४) वहे

(ग) मागधी शब्द लखो : (कोई पण १२) १२

१) अनंत
२) वननां झाडो कापवानां कार्यो करवा
३) चोरने मदद करी होय
४) आप ज्ञान स्वरुप छो
५) विषय-विकार वधे तेवां वचनो बोलवा
६) नहि आचरवा योग्य
७) परलोकना सुखनी इच्छा करे
८) आपनी संयमयात्रा सुखरुप छे ?
९) पोते सूझतो होवा छतां बीजाने वहोरावावानुं कह्युं होय
१०) अशुभ पापक्रिया रोकीने
११) सामायिकमां मन माठुं प्रवर्तायुं होय
१२) कामभोगने विशे तीव्र अभिलाषा करी होय
१३) आरोग्य - आत्मिक शांति
१४) कांकरो आदि नाखी मर्यादा बहारथी कोईने बोलावेल होय

(घ) नीचेना प्रश्नोना जवाब आपो : (कोई पण ७) ७

(१) प्रतिक्रमणनुं बीजुं नाम शुं छे ?
(२) अनाचार एटले शुं ?
(३) 'इच्छामि खमासमणो' पाठथी कराती वंदनाने उत्कृष्ट वंदना शा माटे कहे छे ?
(४) शिक्षाव्रत केटला छे ? कया कया ?
(५) 'दर्शन' एटले शुं ?
(६) प्रतिक्रमणनो टूंकमां सार बतावतो पाठ कयो छे ?
(७) अणुव्रत अने महाव्रतनुं पालन जीवनमां कोण करे छे ?
(८) प्रतिक्रमण क्यारे करवामां आवे छे ?
(९) 'खमासमणो' एटले शुं

(P. T. O.)

प्रश्न - २ : **(क) प्रश्नना उत्तर आपो : (कोई पण ८)** **१६**

(१) **व्याख्या लखो :**

१) जीव २) सूक्ष्म ३) भुजपरिसर्प ४) संमूर्च्छिम

(२) तेउकायनी दया पाळवाना बे मुद्दा लखो.

(३) आ जीवोमां केटली इन्द्रिय छे ? कई कई ? दुधी, घनेडा, भवनपतिदेव, वींछी.

(४) संमूर्च्छिम मनुष्यनुं जघन्य अने उत्कृष्ट आयुष्य लखो.

(५) कषाय केटला छे ? कया कया ?

(६) पृथ्वीकायनुं नाम अने संस्थान लखो.

(७) चारेय गतिना कुल केटला भेद छे ? मात्र बधायनी संख्या लखो.

(८) बे इन्द्रिय अने तिर्यंचना कुळ लखो.

(९) आयंबिलनी ओळी केटली छे ? कई कई ? क्यारे आवे छे ?

(१०) त्रीजी नरकनुं नाम अने गोत्र लखो.

(ख) खाली जग्या पूरो : **६**

(१) ..... अने .....ए मारो (आत्मानो) स्वभाव छे.

(२) कंदमूळ न खावाथी ..... उपर विजय थाय छे.

(३) चातुर्मास पूर्णाहुति ..... तिथिए थाय छे.

(४) जगतमां मुख्य बे तत्त्वो छे ..... अने .....

(ग) जोडकां जोडो : **३**

(१) नारकीनुं जघन्य आयुष्य	(१) त्रण पल्योपम
(२) वाउकायनुं उत्कृष्ट आयुष्य	(२) ७,००० वर्ष
(३) गर्भज मनुष्यनुं उत्कृष्ट आयुय	(३) ३३ सागरोपम
(४) अपकायनुं उत्कृष्ट आयुष्य	(४) ३,००० वर्ष
(५) चोरेन्द्रियनुं उत्कृष्ट आयुष्य	(५) १०,००० वर्ष
(६) देवतानुं उत्कृष्ट आयुष्य	(६) ६ मास
	(७) २२,००० वर्ष

प्रश्न - ३: **नीचना प्रश्नोना जवाब आपो - कथाना आधारे :** **१०**

(१) आनंद श्रावके कई पौषधशाळामां श्रावकनी पडिमाने धारण करी ? १
कुल केटलां वर्ष सुधी श्रावक धर्मनी आराधना करी ?

(२) 'गजसुकुमाल' नाम शाथी पाडवामां आव्युं हतुं ? १

(३) नेमनाथ दीक्षा लईने केवुं जीवन जीवे छे ? १

(४) 'मने अवधिज्ञान थयुं छे अने हुं लवणसमुद्रमां ५०० जोजन सुधी अने नीचे पहेली नरकना ''लोलुप्याचुत' नरकावास सुधी जोई शकुं छुं'' कोण बोले छे अने कोने कहे छे ?

(५) गजसुकुमालने उपसर्ग आवता तेमणे शुं चिंतन कर्युं ?

(६) आनंद श्रावके .....मासनो संथारो करी मृत्यु पामी ....मां देव तरीके जन्म लीधो.

(७) नेमनाथ भगवान ..... नगरीमां रहेता हता. तेमना नाना भाईनुं नाम ..... हतुं.

(८) गजसुकुमाल ..... स्मशानमां जई अेक रात्रिनी भिक्षु प्रतिमा स्वीकारी. त्यां तेमने जोइने .....ना हृदयमां पूर्वभवनुं वेर जागृत थयुं.

प्रश्न - ४ : **काव्य पूर्ति करो :** **१०**

(१) में परभवे ..... हारी गया	(४) गुणथी ..... स्तोत्र वहे
(२) में सुखने .....चूक्यो घणुं	(५) जीवडा जीवनुं ..... करीए तो थाय.
(३) नवकारमंत्रनुं ..... में ग्रह्या.	

''જય જિનેન્દ્ર''